https://cwc.gov.in/en/Jalansh

जलांश

केंद्रीय जल आयोग का मासिक सूचना - पत्र

अंक.08

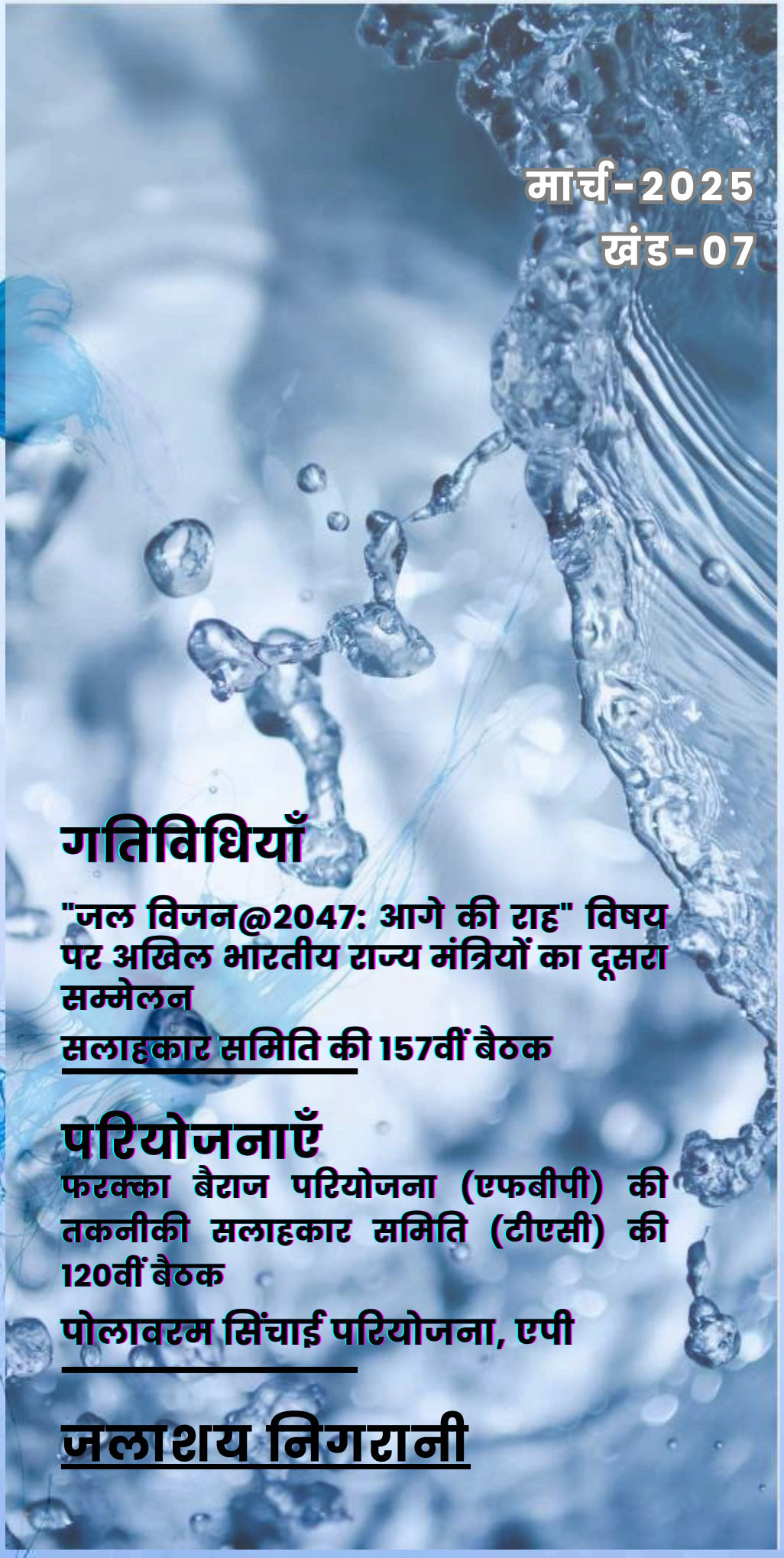

मार्च-2025
खंड-07

गतिविधियाँ

"जल विजन@2047: आगे की राह" विषय पर अखिल भारतीय राज्य मंत्रियों का दूसरा सम्मेलन

सलाहकार समिति की 157वीं बैठक

परियोजनाएँ

फरक्का बैराज परियोजना (एफबीपी) की तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की 120वीं बैठक

पोलावरम सिंचाई परियोजना, एपी

जलाशय निगरानी

विषय-सूची

पृष्ठ 1

परियोजनाओं के संबंध में बैठकें

फरक्का बैराज परियोजना (एफबीपी) की तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की 120वीं बैठक

पोलावरम सिंचाई परियोजना, एपी

पृष्ठ 2

प्रशिक्षण/कार्यशाला/ सम्मेलन

प्रशिक्षण कार्यक्रम

पृष्ठ 3

स्थलों/परियोजनाओं का दौरा:

लखवार बहुउद्देशीय परियोजना, उत्तराखंड और रेणुकाजी बांध परियोजना, हिमाचल प्रदेश

पंचेश्वर बांध

पृष्ठ4

अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियाँ:

"जल विजन@2047: आगे की राह" विषय पर अखिल भारतीय राज्य मंत्रियों का दूसरा सम्मेलन

पृष्ठ5

अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियाँ:

सलाहकार समिति की 157वीं बैठक

पृष्ठ 6

जलाशय निगरानी

पृष्ठ 7

केलिया परियोजना

भारत में बांध निर्माण के गौरवशाली इतिहास से कुछ पुरालेखीय चित्र

अध्यक्ष का संदेश

डॉ. मुकेश कुमार सिन्हा
अध्यक्ष, के.ज.आ

मुझे जलांश के इस संस्करण को प्रस्तुत करते हुए बहुत खुशी हो रही है, जिसमें केंद्रीय जल आयोग (के.ज.आ) द्वारा हाल के महीनों में की गई गतिविधियों, प्रमुख विकासों और प्रमुख उपलब्धियों का विस्तृत विवरण दिया गया है। मार्च 2025 का संस्करण स्थायी जल प्रबंधन प्रथाओं को आगे बढ़ाने और 2047 तक भारत सरकार के जल सुरक्षित भारत के व्यापक दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवधि की एक मुख्य उपलब्धि राजस्थान के उदयपुर में दूसरे अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों के सम्मेलन का सफल आयोजन था। देश भर से मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने जल स्थिरता के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

के.ज.आ ने जल भंडारण के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में अवसरों और चुनौतियों की भूमिका पर प्रस्तुति देते हुए इस मंच में सार्थक योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, हमारे मुख्य अभियंता ने सिंचाई दक्षता और नीति प्रतिक्रिया में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर देते हुए रिमोट सेंसिंग-आधारित सिंचाई प्रदर्शन मूल्यांकन उपकरण (ई-क्यूआईपीए) का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

हमने जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की सलाहकार समिति की 157वीं बैठक सहित महत्वपूर्ण समीक्षा और सलाहकार बैठकों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। ये मंच वृहत और मध्यम सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण बने हुए हैं। इन चर्चाओं के दौरान प्राप्त मार्गदर्शन और निर्देशों से राज्यों में परियोजनाओं के बेहतर डिजाइन और निष्पादन में मदद मिलेगी।

हमारी फील्ड गतिविधियाँ और तकनीकी निरीक्षण जोश के साथ जारी रहे। फरक्का बैराज परियोजना का दौरा और 120वीं टीएसी बैठक के दौरान विस्तृत विचार-विमर्श महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, कार्यक्षमता और स्थिरता सुनिश्चित करने पर हमारे निरंतर ध्यान को दर्शाता है। इसी तरह, पोलावरम सिंचाई परियोजना पर समीक्षा बैठक ने काम में तेजी लाने और उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए मूल्यवान दिशा-निर्देश प्रदान किए।

क्षमता निर्माण सदैव हमारे प्रमुख उद्देश्यों के केंद्र में रहता है। इस तिमाही में, ड्रिप चरण II के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें बाढ़ अनुमार्गण, बांध उपकरण, खरीद प्रबंधन और परियोजना पर्यवेक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। नए भर्ती किए गए इंजीनियरों का प्रेरण प्रशिक्षण तकनीकी रूप से सक्षम कार्यबल के निर्माण में हमारे सक्रिय निवेश को दर्शाता है।

मैं हमारे सतत निगरानी प्रयासों पर भी प्रकाश डालना चाहूंगा। के.ज.आ द्वारा निगरानी किए जा रहे 155 जलाशयों के सक्रिय भंडारण डेटा जल संसाधनों के प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण हैं, खासकर अभाव और बाढ़ के समय।

अंत में, मैं के.ज.आ के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके समर्पण और उत्कृष्टता के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। मैं अपने भागीदारों और हितधारकों को उनके निरंतर समर्थन के लिए भी धन्यवाद देता हूँ। आइए हम जल-सुरक्षित और लचीले भारत के सपने को साकार करने के लिए नए दृढ़ संकल्प के साथ मिलकर काम करें।

परियोजनाओं के संबंध में बैठकें

फरक्का, पश्चिम बंगाल में फरक्का बैराज परियोजना (एफबीपी) की तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की 120वीं बैठक

फीडर नहर निरीक्षण

फरक्का बैराज

फरक्का बैराज परियोजना (टीएसी-एफबीपी) की तकनीकी सलाहकार समिति की 120वीं बैठक 8 फरवरी, 2025 को सदस्य (डी एंड आर), के.ज.आ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक से पहले, जमीनी हालात और चल रहे कार्यों का आकलन करने के लिए 07.02.2025 को फरक्का बैराज परियोजना स्थल का दौरा किया गया। बैठक परियोजना से संबंधित प्रमुख तकनीकी पहलुओं और विकास पर केंद्रित थी। टीएसी बैठक में विभिन्न प्रतिष्ठित तकनीकी संगठनों जैसे के.ज.आ, सीडब्ल्यूपीआरएस, सीएसएमआरएस, एनटीपीसी, एनएचएआई, कोलकाता पोर्ट आदि से टीएसी-एफबीपी के विभिन्न सदस्यों ने भाग लिया। अधिकारियों और विशेषज्ञों ने परियोजना की सुरक्षा तथा उसके अच्छी स्थिति में चलते रहने के लिए परियोजना की स्थिति की समीक्षा करने और सुधारात्मक उपायों पर चर्चा में भाग लिया।

पोलावरम सिंचाई परियोजना , आंध्र प्रदेश

पोलावरम सिंचाई परियोजना (पीआईपी) की समीक्षा बैठक 10 फरवरी 2025 को जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर) के समिति कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की सचिव श्रीमती देबाश्री मुखर्जी ने की और इसमें मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग, पोलावरम परियोजना प्राधिकरण, सीएसएमआरएस, मेसर्स डब्ल्यूएपीसीओएस और जल संसाधन विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान सचिव ने निर्देश दिया कि बट्रेस डिजाइन की जांच सात दिनों के भीतर पूरी की जाए ताकि निर्माण गतिविधियां समय पर शुरू हो सकें।

चर्चा में चल रहे डायाफ्राम दीवार निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें संरचनात्मक अखंडता और गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्लास्टिक कंक्रीट डिजाइन मिश्रण को अंतिम रूप देने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सम्मेलन:

क्रम सं.	प्रशिक्षण का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	उद्देश्य
1	(ड्रिप चरण II के तहत केंद्रीय परियोजना निगरानी इकाई द्वारा) खरीद प्रबंधन पर प्रशिक्षण	02 दिन	25	यह प्रशिक्षण चल रही ड्रिप -II योजना के घटक-II के अंतर्गत अधिकारियों की क्षमता निर्माण का हिस्सा है।
2	(ड्रिप चरण II के तहत सीपीएमयू द्वारा) डिजाइन बाढ़ रूटिंग और अंतर्वाह पूर्वानुमान पर प्रशिक्षण	02 दिन	19	यह प्रशिक्षण चल रही ड्रिप -II योजना के घटक-II के अंतर्गत अधिकारियों की क्षमता निर्माण का हिस्सा है।
3	(ड्रिप चरण II के तहत केंद्रीय परियोजना प्रबोधन इकाई द्वारा) बांध यंत्रीकरण और प्रबोधन पर प्रशिक्षण	02 दिन	26	यह प्रशिक्षण चल रही ड्रिप -II योजना के घटक-II के अंतर्गत अधिकारियों की क्षमता निर्माण का हिस्सा है।
4	परियोजना प्रबंधन, परियोजना पर्यवेक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण	05 दिन	58	इसके अंतर्गत परियोजना प्रबंधन के प्रमुख पहलू, जिनमें परियोजना नियोजन तकनीकें जैसे डब्ल्यूबीएस, बार चार्ट और सीपीएम आदि शामिल हैं।
5	के.ज.आ के नवनियुक्त जूनियर इंजीनियरों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम	03 सप्ताह	56	कैडर प्रशिक्षण

बांध यंत्रीकरण और प्रबोधन पर प्रशिक्षण

परियोजना प्रबंधन, परियोजना पर्यवेक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण

खरीद प्रबंधन पर प्रशिक्षण

डिजाइन बाढ़ रूटिंग और अंतर्वाह पूर्वानुमान

लखवार बहुउद्देश्यीय परियोजना, उत्तराखंड और रेणुकाजी बांध परियोजना, हिमाचल प्रदेश

लखवार बहुउद्देशीय परियोजना, उत्तराखंड निर्माणाधीन है। परियोजना प्राधिकारियों द्वारा 29 जनवरी 2025 को डायवर्जन टनल (DT3) का निर्माण पूरा कर लिया गया है। के.ज.आ की एक टीम ने 28.02.2025 को परियोजना स्थल का दौरा किया और डीटी3 की लाइनिंग, डीटी3 इनलेट और एग्जिट विंग वॉल वर्क्स, लेफ्ट बैंक वर्टिकल शाफ्ट की खुदाई, लेफ्ट बैंक स्ट्रिपिंग वर्क्स सहित चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। टीम ने परियोजना अधिकारियों के साथ चल रहे कार्यों पर चर्चा की।

पंचेश्वर बांध

पीडीए की कार्यकारी समिति द्वारा 2-4 फरवरी, 2025 के दौरान पंचेश्वर बांध स्थल का दौरा किया गया। श्री भोपाल सिंह, सीईओ, पीडीए, श्री मनोज कुमार, ईडी (प्रशासन), श्री आलोक पॉल कलसी, ईडी (कानूनी) एवं श्री कुलदीप कुमार सिंह, ईडी (पर्यावरण) भारत की ओर से और श्री जीबाछ मंडल, एसीईओ, महेश्वर श्रेष्ठ, ईडी (तकनीकी), श्री शंभू प्रसाद मरासिनी, ईडी (वित्त) और श्री मित्रा बराल, ईडी (आर एंड आर) नेपाल की ओर से कार्यकारी समिति के सदस्य हैं। इस यात्रा के दौरान कार्यालय को नए स्थान पर स्थानांतरित करने, महेंद्रनगर में स्थापित किए जाने वाले कार्यालय के लिए भूमि अधिग्रहण की स्थिति तथा पंचेश्वर बांध स्थल पर किए जा रहे सर्वेक्षण एवं जांच के मुद्दों पर चर्चा की गई।

अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

"जल विजन@2047: आगे की राह" विषय पर अखिल भारतीय राज्य मंत्रियों का दूसरा सम्मेलन

राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित दूसरा अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों का सम्मेलन 2025 18-19 फरवरी 2025 को राजस्थान के उदयपुर स्थित अनंता रिसॉर्ट में आयोजित किया गया।"भारत@2047-जल सुरक्षित राष्ट्र" विषय पर आयोजित यह सम्मेलन माननीय प्रधानमंत्री के विकसित, जल-सुरक्षित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह विजन भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारी नदियों और पारिस्थितिकी प्रणालियों को संरक्षित करते हुए कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोग का समर्थन करने के लिए स्थायी जल प्रबंधन के महत्व पर जोर देता है।

"वाटर विजन@2047" विषय पर पहला अखिल भारतीय वार्षिक राज्य मंत्री सम्मेलन 5 और 6 जनवरी 2023 को भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया था।

दूसरे अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों के सम्मेलन 2025 में इन दो दिनों के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों के 34 मंत्रियों और 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में छह विषयों पर लगभग 35 प्रस्तुतियाँ, 5 ई-लॉन्च और प्रमुख हस्तक्षेपों पर प्रकाश डालने वाले 15 वीडियो शोकेस शामिल थे।ओडिशा और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों तथा हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्रियों ने सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में अपनी उपस्थिति से इसकी शोभा बढ़ाई। राज्य जल मंत्रियों के दूसरे अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लेने वाले मुख्य अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों को राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम) का शुभंकर 'पीकू' स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया गया।

केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार सिन्हा ने सम्मेलन के विषयगत सत्र 2 (विषय: "जल भंडारण बुनियादी ढांचे और आपूर्ति में वृद्धि") में "जल भंडारण बुनियादी ढांचे में अवसर और चुनौतियां और आपूर्ति में वृद्धि" विषय पर एक प्रस्तुति दी।

विषयगत सत्र 4 (विषय: सिंचाई और अन्य उपयोगों पर ध्यान देने के साथ जल वितरण सेवाएँ) में केंद्रीय जल आयोग के मुख्य अभियंता (पीओएमआईओ) श्री पद्म दोरजी द्वारा रिमोट सेंसिंग आधारित सिंचाई प्रदर्शन मूल्यांकन उपकरण (ई-क्यूआईपीए) पर एक प्रस्तुति दी गई। प्रत्येक राज्य के सभी कमांड क्षेत्रों के ई-क्यूआईपीए उपकरणों द्वारा उत्पन्न परिणामों वाली एक तथ्य पत्रक को फीडबैक के लिए राज्यों के साथ साझा किया गया।

दो दिवसीय सम्मेलन के समापन समारोह में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल ने जोर देकर कहा कि यह सम्मेलन केवल चुनौतियों पर चर्चा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य समाधान खोजने के लिए सामूहिक प्रयासों पर भी केंद्रित है। मंत्री ने ज्ञान साझा करने और मुद्दों के व्यावहारिक समाधान खोजने में ऐसे मंचों के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

सलाहकार समिति की 157वीं बैठक

वृहत और मध्यम सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और बहुउद्देशीय परियोजना प्रस्तावों की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता पर विचार करने के लिए जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (डीओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर), जल शक्ति मंत्रालय (एमओजेएस) की सलाहकार समिति की 157वीं बैठक सुश्री देबाश्री मुखर्जी, सचिव जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग,जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में 11 फरवरी 2025 को आयोजित की गई।

बैठक में कुल 05 परियोजनाओं पर विचार किया गया, जिसमें ओडिशा की 01 मध्यम सिंचाई परियोजना और बिहार की 03 बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं को स्वीकार किया गया, जबकि तेलंगाना की 01 बड़ी सिंचाई परियोजना को स्थगित कर दिया गया।

विचाराधीन परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	योजना	राज्य	अनुमानित लागत करोड़ रुपए)	बीसीअनुपात
1	एकीकृत सीता राम लिफ्ट सिंचाई और सीताम्मा सागर बहुउद्देशीय परियोजना	सिंचाई	तेलंगाना	₹19954.10 करोड़ पीएल-जून 2023	1.57:1
2	मनकड़ा मध्यम सिंचाई परियोजना	सिंचाई	ओडिशा	₹1053.69करोड़ पीएल- 2024	1.60:1
3	चम्पारण तटबंध के 66.00 किमी से 132.80 किमी तक सुदृढ़ीकरण एवं पक्कीकरण	बाढ़ सुरक्षा	बिहार	₹ 294.91 करोड़	1.8:1
4	बायीं और दायीं कमला बालन का उत्थान, सुदृढ़ीकरण और पक्कीकरण तटबंध (चरण-III) 0.0 कि.मी. (जयनगर) से 11.72 कि. मी (कासमा), 21.50 कि.मी. (पिराही) से 27.10 कि.मी. (पिपराघाट) एवं कि.मी.92.50 (पुनाच) से एल.के.बी.ई. के 105.350 कि.मी. (घोघेपुर) तक तथा 0.00 कि.मी. (जयनगर) से कि.मी. 23.20 (भटगामा) एवं 94.00 कि.मी. (पलवा) से आर.के.बी.ई. के 111.290 कि.मी. (फुहिया) तक	बाढ़ सुरक्षा	बिहार	₹ 254.45 करोड़	2.31:1
5	समस्तीपुर जिले के अंतर्गत बागमती-शांति धार-बूढ़ी गंडक नदी लिंक परियोजना	बाढ़ सुरक्षा	बिहार	₹ 117.82 करोड़	2.31:1

परियोजना मूल्यांकन के अलावा, बैठक में कई प्रमुख नीति और तकनीकी निर्देशों पर चर्चा की गई। सचिव (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण) ने केंद्रीय जल आयोग (के.ज.आ) को राज्य डिजाइन कार्यालयों के लिए एक मान्यता तंत्र विकसित करने का निर्देश दिया, जिसमें डिजाइन जांच छूट के लिए मान्यता प्राप्त कार्यालयों से प्रमाणन अनिवार्य किया गया। उन्होंने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और ओडिशा द्वारा भूमिगत पाइपलाइन (यूजीपीएल) प्रणालियों को लागू करने में की गई पर्याप्त प्रगति पर भी प्रकाश डाला और के.ज.आ से इन राज्यों के साथ मिलकर जल उपयोग दक्षता पर यूजीपीएल के प्रभाव पर अध्ययन करने को कहा, जिसका उद्देश्य व्यापक रूप से इसे अपनाना है। इसके अलावा, सचिव ने जीएफसीसी से सलाहकार समिति के नोटों की गुणवत्ता में सुधार करने पर जोर दिया, जिससे के.ज.आ को जीएफसीसी अधिकारियों को प्रशिक्षित करने का निर्देश मिला। अंत में, उन्होंने के.ज.आ से पाइप वितरण प्रणालियों का उपयोग करने वाली परियोजनाओं के प्रदर्शन का आकलन करने और आवश्यकतानुसार संबंधित दिशानिर्देशों को संशोधित करने का आग्रह किया।

जलाशय निगरानी

के.ज.आ. साप्ताहिक आधार पर देश के 155 जलाशयों की सक्रिय भंडारण स्थिति की निगरानी कर रहा है और प्रत्येक गुरुवार को साप्ताहिक बुलेटिन जारी कर रहा है। इन जलाशयों में से 20 जलाशय पनबिजली परियोजनाओं के हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 35.299 बीसीएम है। इन 155 जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 180.852 बीसीएम है, जो देश में सृजित अनुमानित भंडारण क्षमता 257.812 बीसीएम का लगभग 70.15% है।

दिनांक 27.02.2025 केजलाशय संग्रहणबुलेटिन के अनुसार, इन जलाशयों में उपलब्ध सक्रिय संग्रहण93.529 बीसीएम है, जो इन जलाशयों की कुल सक्रिय संग्रहण क्षमता का 52% है।हालाँकि, पिछले वर्ष इसीअवधि केलिए इन जलाशयों में उपलब्ध सक्रिय संग्रहण 78.633 बीसीएम था और पिछले 10 वर्षों का औसत सक्रिय संग्रहण 81.497 बीसीएम था।

इस प्रकार, 27.02.2025 केबुलेटिन केअनुसार 155 जलाशयों में उपलब्ध सक्रिय संग्रहण पिछले वर्ष की इसीअवधि के सक्रिय संग्रहण का 119% और पिछले दस वर्षों केऔसत संग्रहण का 115% है।

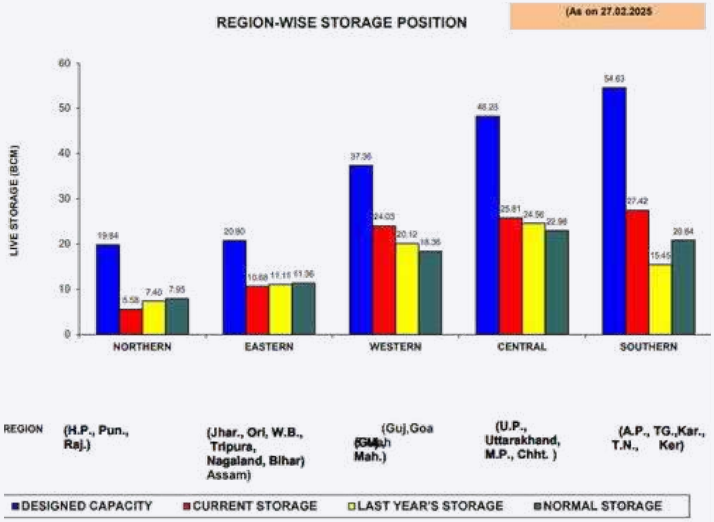

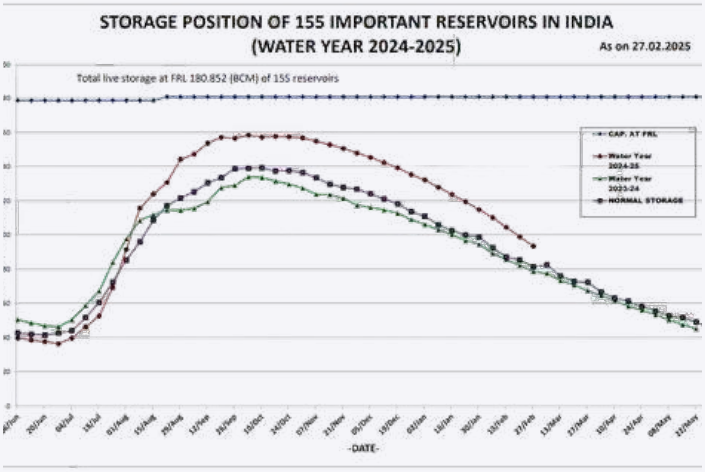

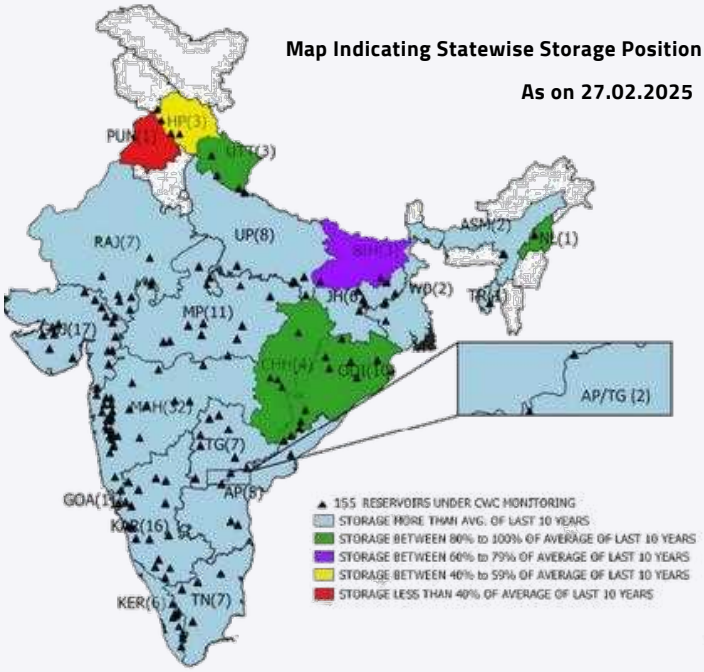

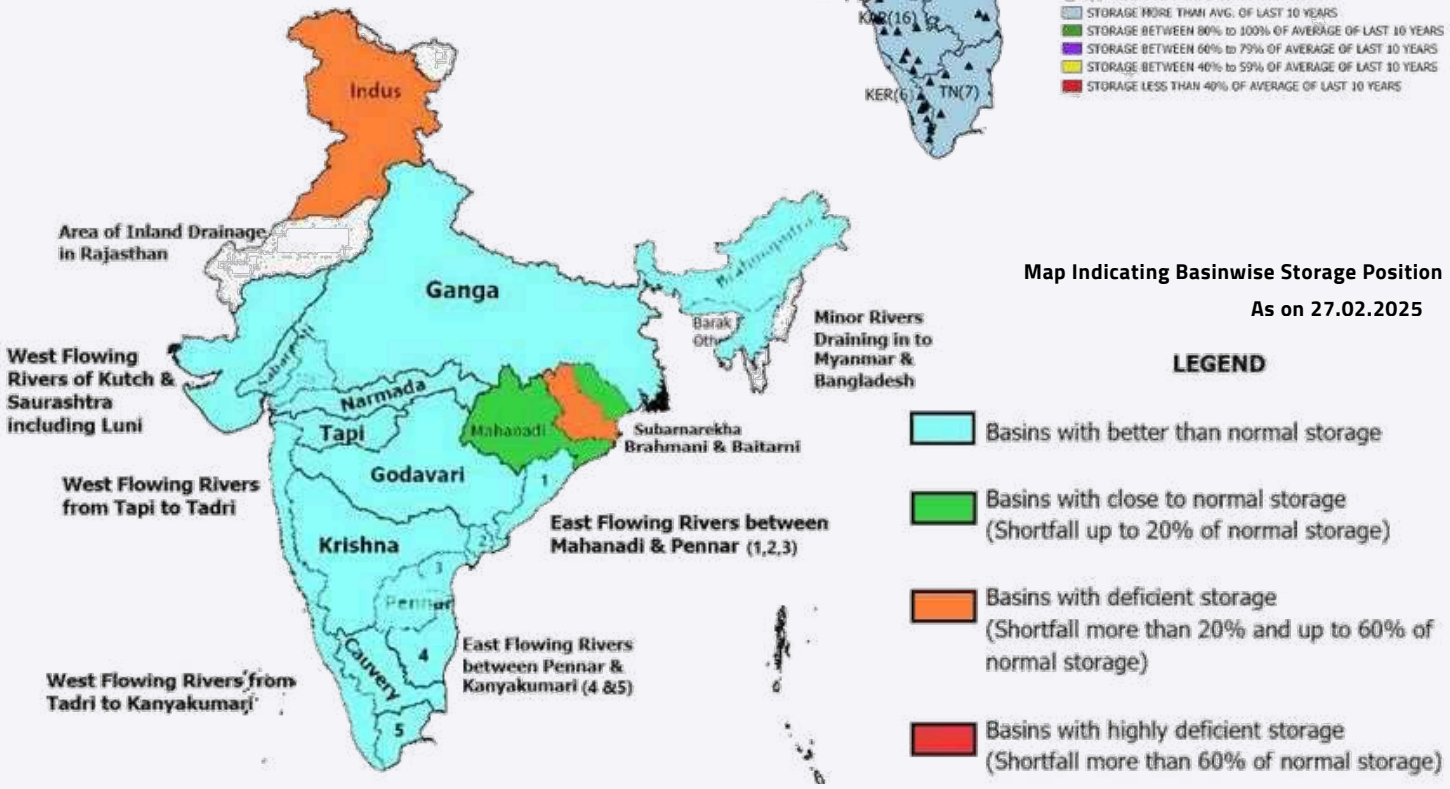

केलिया परियोजना

भारत में बांध निर्माण के गौरवशाली इतिहास से कुछ अभिलेखीय चित्र

आईपी और एसपी जोन में तटबंध पर मृदा कार्य प्रगति पर

तटबंध में मृदा कार्य प्रगति पर (2)

नहर के कार्य प्रगति पर होने के साथ मुख्य नियामक (हेड रेगुलेटर) का अनुप्रवाह दृश्य

तटबंध में मृदा कार्य प्रगति पर

रिसनरोक खाई (कट-ऑफ ट्रेंच) की खुदाई प्रगति पर (2)

रिसनरोक खाई (कट-ऑफ ट्रेंच) की खुदाई प्रगति पर (2)

स्पिलवे की दाहिनी प्रतिधारण भिति (रिटेनिंग वॉल) की खुदाई जारी है

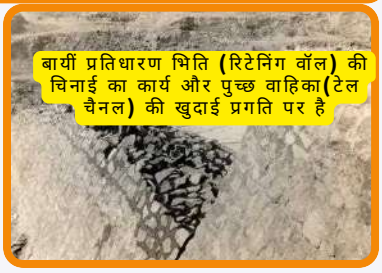
बायीं प्रतिधारण भिति (रिटेनिंग वॉल) की चिनाई का कार्य और पुच्छ वाहिका(टेल चैनल) की खुदाई प्रगति पर है

बायीं प्रतिधारण भिति (रिटेनिंग वॉल) में चिनाई का काम प्रगति पर है

आरएल 118.00 मीटर तक बांध का दृश्य

स्पिलवे भाग की खुदाई प्रगति पर है

मुख्य नियामक दीवार की चिनाई कार्य का दृश्य

मुख्य नियामक प्रतिधारण भिति (रिटेनिंग वॉल) और युग्म निकास फाटक (ट्विन एंट्री गेट) का दृश्य

केंद्रीय जल आयोग

जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार का एक सम्बद्ध कार्यालय

संपादक मंडल

- श्री भूपिंदर सिंह , मुख्य अभियंता (मा.सं.प्र.) - मुख्य संपादक
- श्री योगेश पैथंकर, मुख्य अभियंता(पीएमओ) - सदस्य
- श्री अजय कुमार II, निदेशक (आरएम-सी)- सदस्य
- श्री मनोज कुमार, निदेशक (टीसी)- सदस्य
- श्री सुनीलकुमार -II, निदेशक(डब्ल्यूपीएंडपी—सी)- सदस्य
- श्री शेखरेन्दु झा, निदेशक (ज.प्र.अभि.) - सदस्य
- श्री रवि रंजन , निदेशक (डीएण्डआर सम.) - सदस्य
- श्री कैलाश के. लाखे, उप निदेशक(ज.प्र.अभि.)-सदस्य सचिव
- अनुवाद - श्रीमति मीना कुमारी, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी

अभिकल्प एवं प्रकाशन

जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय
केन्द्रीय जल आयोग

द्वितीय तल (दक्षिण) सेवा भवन, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110 066, ई-मेल: media-cwc@gov.in

No. CWC/2025/108